

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2010

प्रश्न पत्र-I

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (साधारण ज्योतिष)

1. ज्योतिष व कर्म सिद्धांत पर चर्चा करें?
2. निम्न का संक्षिप्त में उत्तर दें :-
(क) धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष के आधार पर जन्मांग के भावों का वर्गीकरण करें?
(ख) वराहमिहिर व पृथ्युशस की 2-2 रचनाओं के नाम लिखें।
(ग) वैदिक काल के ज्योतिष के बारे में आप क्या जानते हैं?
(घ) श्रुति और स्मृति के बारे में लिखें।
3. ज्योतिष और मनोविज्ञान पर उदाहरण सहित चर्चा करें।
4. किन्हीं दो का उत्तर दें :-
(क) उचित उदाहरण द्वारा किसी ज्योतिषी के लिए वेश, काल और पात्र की महत्ता समझाएं।
(ख) वह कौन से क्षेत्र है, जिनका निर्धारण प्रारब्ध द्वारा ही होता है।
(ग) ज्योतिष में काल निर्धारण पद्धति पर चर्चा करें।
5. वे कौन से क्रियमान कर्म हैं जो संचित कर्म में नहीं जुड़ते हैं।

भाग-II (ज्योतिष से सम्बंधित खगोल शास्त्र)

6. रिक्त स्थान की पूर्ति करें :-
i) मंगल एवं बृहस्पति के मध्य आने वाले लघु ग्रहों को ----- कहते हैं।
ii) इन्द्रचाप ----- ग्रह का उपग्रह है।
iii) यदि चंद्रमा 152 अंश पर है तो वह ----- नक्षत्र में होगा।
iv) दक्षिणी गोलार्द्ध में ----- सबसे लम्बा दिन होता है।
v) ऋतु परिवर्तन का मुख्य कारण ----- है।
vi) ----- ग्रह जब सूर्य एवं पृथ्वी के मध्य होते हैं तो वक्री होते हैं।
vii) वह चंद्र मास जिसमें दो संक्रांति होती हैं ----- कहलाता है।
viii) शनि एक राशि लगभग ----- माह में चलता है।
ix) उत्तरायण में सूर्य सर्वप्रथम ----- राशि में भ्रमण करता है।
x) ----- ग्रह भूचक्र की न्यूनतम समय में परिक्रमा पूरी करता है।
7. ग्रह का वक्री होना विस्तार से समझाएं।
8. चंद्र ग्रहण को चित्र द्वारा समझाएं। यह किस तिथि पर होता है? इस दिन सूर्य व चंद्रमा के अंश समान होंगे अथवा 180 अंश दूर?
9. किन्हीं 2 का उत्तर दें :-
क) अयनांश क्या है? ख) सम्पात के अयन पर चर्चा करें? ग) धूमकेतु
10. निम्न को समझाएं :
क) खगोलिय विषुवत रेखा ख) अंतराष्ट्रीय तिथि रेखा ग) भूचक्र घ) भारतीय मानक समय ङ) तिथि

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2010

समय : 3 घण्टे

प्रश्न पत्र-II

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (गणित ज्योतिष)

1. एक जातक का जन्म 10.12.2010 को प्रातः 11.20 बजे अहमदाबाद में हुआ। इस जातक के लिए जमांग बनाते हुए उसके लग्न एवं ग्रह स्थिति की गणना करें।
2. उपरोक्त जमांग के लिए निम्न की गणना करें।
क) नवांश कुण्डली ख) लग्न व सभी ग्रहों के नक्षत्र
ग) सप्तांश कुण्डली घ) दशा शेष
3. निम्न का कारण सहित उत्तर दें :-
(क) पूर्णिमा को जन्मे जातक के जमांग में सूर्य व चन्द्रमा की परस्पर स्थिति क्या होगी?
(ख) यदि शुक्र जमांग में उच्च का है तो नवांश में कहाँ स्थित हो सकता है।
(ग) यदि शनि कृतिका नक्षत्र के प्रथम पद में हो तो शनि की होरा चार्ट में क्या स्थिति होगी?
(घ) यदि बृहस्पति राशि व नवांश में नीच का है तो यह किस नक्षत्र में हैं?
(ङ) यदि चन्द्रमा धनिष्ठा नक्षत्र के प्रथम पद में हो तो दशाशेष की क्या अवधि होगी?
4. निम्न का उत्तर दें :-
(क) निम्न को घण्टे, मिनट व सेकण्ड में बदलें :-
i) 40 घटी 23 पल ii) 32 घटी 10 पल
(ख) निम्न को घटी पल में बदलें :-
i) 10 घण्टे 20 मिनट ii) 17 घण्टे 15 मिनट
(ग) यदि चन्द्रमा 300 अंश पर है तो जन्म समय पर शेष विंशोत्तरी दशा का मान ज्ञान करें।
5. सम्पातिक समय, स्थानीय समय, मानक समय और जीएमटी में अन्तर बताएं? एक का जन्म 11.6.2010 को 7:30 सांय पूना में हुआ, उस समय के लिए सम्पातिक समय की गणना करें।

भाग-II (फलित ज्योतिष)

6. रिक्त स्थान भरें :-
i) पूर्व दिशा को ----- राशियाँ दर्शाती हैं।
ii) छठे भाव का कारक ----- है।
iii) बृहस्पति द्वितीय भाव में है जो उसकी उच्च राशि है, वह राशि ----- है।
iv) वृषभ लग्न के लिए ----- बाधकाधिपति है।
v) कर्क लग्न के लिए ----- ग्रह योग कारक है।
vi) गण्डात श्रृंखला में अन्तिम नक्षत्र ----- है।
vii) शनि की मूल त्रिकोण राशि ----- है।
viii) कर्क राशि में मंगल व चन्द्रमा स्थित है तो ----- योग बनता है।
ix) सत्व गुण वाली राशियाँ ----- हैं।
x) सिंह लग्न के जातक के लिए सप्तम भाव में ----- राशि होगी।
7. सूर्य व शनि यदि अलग अलग मेष राशि में स्थित हैं तो वे कौन से गुण धर्म प्रदर्शित करते हैं? चर्चा करें।
8. संक्षिप्त में उत्तर दें :-
i) केमदुम योग ii) केन्द्राधिपत्य दोष iii) भद्र योग iv) आमला योग।
9. मारक ग्रह क्या है? सभी लग्नों के लिए मारक ग्रह बताएं?
10. सभी लग्नों के लिए शुभ व अशुभ ग्रह बताएं।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2010

प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ज्योतिष योग)

1. निम्न जन्मांग की सभी ग्रहों की विभिन्न भावों में स्थिति के आधार पर विवेचना करें।
लग्न-कन्या 17:26, सूर्य-वृषभ 25:01, चन्द्रमा-वृश्चिक 4:38,
मंगल-वृषभ 6:22, बुध(व)-वृषभ 17:02, गुरु(व)-मकर 8:26,
शुक्र-मिथुन 9:12, शनि-सिंह 7:27, राहु-मेष 1:19
(9 जून 1949, 2:10 दोपहर, अमृतसर)
2. नीच ग्रहों का क्या प्रभाव होता है? क्या नीचत्व का परिहार संभव है? यदि हाँ, तो किन स्थितियों में?
3. लक्ष्मीनारायण योग एवं महाभाग्य योग उचित उदाहरणों द्वारा समझाएं।
4. प्रश्न 1 में दिए जन्मांग में कोई चार योग बताएं व उनके फल पर चर्चा करें।
5. निम्न का उत्तर दें :-
(क) नवांश कुण्डली की क्या महत्ता है?
(ख) रोहिणी, पुष्यमी, मृगशिरा व विशाखा नक्षत्रों के क्या लक्षण हैं?

भाग-II (दशा व गोचर)

6. निम्न का उत्तर दें :-
(क) प्रश्न 1 के लिए शेष विंशोत्तरी दशा व बुध महादशा में सभी अन्तर दशाओं की गणना करें।
(ख) प्रश्न 1 के लिए बुध महादशा में क्या सामान्य फल होंगे व उसमें सूर्य की अन्तरदशा में क्या विशेष फल होंगे?
7. (क) गोचर फल चन्द्रमा से ही क्यों देखे जाते हैं?
(ख) गोचर में वेध से क्या समझते हैं? शनि के लिए वेध की क्या स्थितियाँ हैं?
8. किसी जन्मांग के फलादेश में गुरु एवं शनि के गोचर को क्यों महत्व दिया जाता है? गुरु एवं शनि के पर्याय फलों पर चर्चा करें।
9. शुक्र एवं शनि के विंशोत्तरी दशा पद्धति में क्या फल मिलते हैं? चर्चा करें।
10. राहु के गोचर फल पर चर्चा करें।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी0) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2010

प्रश्न पत्र-IV

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-I (ताजिक शास्त्र)

1. 3 नवम्बर 1976 (बुधवार) को 14:20 बजे बेंगलूर में जन्मे जातक के लिए सन् 2010 के लिए वर्ष कुण्डली बनाएं।
2. प्रश्न 1 के लिए सभी ग्रहों का हृद्द बल ज्ञात करें। इसकी क्या महत्ता है?
3. लग्नेश व कार्येश की किसी योग के फलादेश में क्या महत्ता है? तीन प्रकार के इत्थसाल योग कौन से हैं? उदाहरण सहित समझाएं।
4. निम्न का उत्तर दें :-
(क) कम्बूल योग (ख) रद्द योग
(ग) पुन्य योग (घ) विवाह सहम
5. प्रश्न 1 के लिए मुन्था की गणना करें। मुन्थेश की 12 भावों में स्थिति क्या फल देती है?

भाग-II (मुहूर्त)

6. गृह प्रवेश के मुहूर्त चयन के लिए कौन से ज्योतिषीय तथ्य विचारणीय हैं? विस्तार से समझाएं।
7. "विवाह का निर्धारण स्वर्ग में होता है" - यदि आप इस कथन से सहमत हैं तो विवाह मुहूर्त का व उसके निर्धारण का क्या औचित्य है?
8. रिक्त स्थान भरें :-
i) शुक्रवार और ----- नक्षत्र से अमृत सिद्धि योग बनता है।
ii) यदि चन्द्रमा धनु राशि में गोचर करता है तो भद्रा ----- में निवास करती है।
iii) सोमवार प्रातः 8 बजे यात्रा का ----- मुहूर्त होता है।
iv) बुधवार और ----- तिथि के दग्ध तिथि कहते हैं (विशाखा)।
v) यदि सूर्य मघा नक्ष से गोचर करता है तो ----- को लता दोष नक्षत्र कहेंगे।
vi) कृत्तिका जन्म नक्षत्र के लिए ----- वध (निधन) तारा कहलाते हैं।
vii) विवाह मुहूर्त में धित्रा नक्षत्र के लिए ----- वेध नक्षत्र हैं।
viii) मृगशिरा नक्षत्र के लिए ----- साधक तारा कहलाते हैं।
ix) सूर्य किसी भी राशि में ----- अंश पर हो तो मृत्यु पंचक दोष बनता है।
x) सभी शुभ मुहूर्तों की कुण्डलियों में ----- भाव रिक्त होना चाहिए।
9. मुहूर्त में जन्म नक्षत्र एवं जन्म राशि की महत्ता पर विस्तार से चर्चा करें।
10. एकविंशति महादोष क्या हैं? विस्तार से समझाएं।